सांध्य दैनिक 4PM

प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण का परिणाम धैर्यपूर्वक सहना चाहिए। –विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 247 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 दिसम्बर, 2023

टीम इंडिया की एक पारी 32 रन से... 7 | यूपी के रास्ते निकलेगा 24 के चुनाव... 3 | चुनाव में महिलाएं देंगी सपा का... 2

एकबार फिर जदयू की तीर-कमान संभालेंगे नीतीश कुमार

ललन सिंह ने अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

- » राष्ट्रीय कार्यकारिणी और परिषद की बैठक में हुआ फैसला
- » बिहार के सीएम के नाम का प्रस्ताव रखा
- » पार्टी की उठापटक से उठा पर्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते से खबरों की सुर्खियों में रह जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही उठापटक पर से परदा उठ गया। ललन सिंह ने जदयू के वर्तमान अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी ने ललन सिंह का इस्तीफा मंजूर भी कर लिया है। जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और परिषद की बैठक में नीतीश कुमार को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस फैसले पर अभी इंडिया गठबंधन के सदस्यों की प्रतिक्रिया नहीं आई है। जबकि भाजपा ने अभी कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

पिछले काफी समय से जेडीयू में सांगठनिक बदलाव को लेकर अटकलों का बाजार गरम था, हालांकि, बैठक से पहले ललन सिंह ने इस्तीफे की खबरों को अफवाह बताया था। गौरतलब हो कि पिछले कुछ दिनों से मीडिया के एक वर्ग में अटकलें लगाई जा रही थीं कि ललन सिंह को सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से कथित निकटता के कारण अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जा सकता है, मीडिया में यह भी दावा किया जा रहा था कि पिछले साल अगस्त में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का रुख कर सकते हैं। इससे पहले दिल्ली में 28 दिसंबर को जदयू की दो दिनी सालाना बैठक शुरू हुई। हालांकि पार्टी मुखिया नीतीश कुमार इन सभी अटकलों को खारिज कर चुके हैं और उन्होंने इसे बीजेपी की फैलाई हुई अफवाह करार दिया है।

दो दिन से चल रही थी कार्यकारिणी की बैठक

जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में दो दिन चली। बैठक में बिहार के सीएम नीतीश कुमार, जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन (ललन) सिंह और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्टीय अध्यक्ष के रूप में उनकी संभावित पदोन्नति की अटकलों के बीच, बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया था और कहा कि पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ठीक काम कर रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इस बात पर भी जोर दिया कि बैठक नियमित होगी जिसमें राज्यों में गठबंधन पर भी चर्चा होगी। केसी त्यागी ने कहा कि आज जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी, जिसमें देश के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य और वित्तीय माहौल पर चर्चा होगी और अन्य राज्यों को लक्षित करने के लिए सीट बंटवारे पर भी चर्चा होगी।

कई दिनों से इस्तीफा देना चाह रहे थे ललन : नीतीश

बिहार के सीएम व जदयू नेता नीतीश कुमार ने कहा कि ललन सिंह कई दिनों से इस्तीफा देना चाह रहे थे। नीतीश ने कहा वह नहीं चाहते थे कि वह पद छोड़े। उधर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि आज जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी, जिसमें देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और वित्तीय माहौल पर चर्चा होगी और अन्य राज्यों के लिए सीट बंटवारे पर भी चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त आइएनडीआइए में जदयू की भूमिका पर भी विमर्श होगा।जदयू को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस स्टैंड पर सख्त एतराज रहा है जसमें उन्होंने दिल्ली की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए प्रस्तावित किया।

चुनाव में सक्रियता की वजह से छोड़ा पद : ललन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा आगामी चुनावों में सक्रियता की वजह से वह अपने पद को छोड़ने का फैसला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह नीतीश कुमार को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव कर रहे हैं। उधर दिल्ली जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने कहा कि अगर नीतीश कुमार खुद अपने हाथ में पार्टी की कमान लेते हैं तो पार्टी का विकास हो पाएगा।

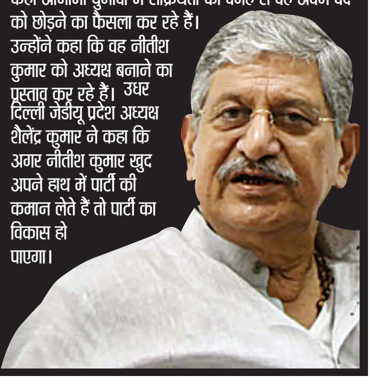

नहीं थम रही 'इंडिया गठबंधन' में सीट बंटवारे पर रार

- » टीएमसी की बंगाल में लीड करने की योजना
- » यूपी में अखिलेश भी अड़े, शिवसेना यूबीटी महाराष्ट्र में बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी में
- » शिवसेना में विभाजन के चलते उम्मीदवारों की कमी : निरुपम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव लगगभ करीब है, पर भारत का विपक्षी गठबंधन अब भी सीटों के बंटवारे को सुलझा नहीं पा रहा है। एक तरफ जहां सबसे पुरानी पार्टी व गठबंधन का सबसे बड़ा दल न्याय यात्रा करने की योजना बना चुका है वहीं अन्य सहयोगी दल अब भी अपने को एक मत नहीं कर पा रहे हैं। चूकि इंडिया गठबंधन में जो सहयोगी शामिल हैं वह अपने-अपने राज्यों में मजबूत है। वह यह चाहते कि जिन जगहों पर कांग्रेस कमजोर है वहां सहयोगियों को अधिक सीटें दी जाए और कांग्रेस बड़ा दिल दिखाकर कम सीटे ले। पर कांग्रेस के स्थानीय नेता इस बात से राजी नहीं है।

कांग्रेस ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी) की 23 सीटों की मांग खारिज कर दी है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के सहयोगियों-शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा की। दो गुटों में बंटी शिवसेना ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 23 पर दावा किया, बावजूद इसके कि उसके अधिकांश सदस्य एकनाथ शिंदे के पक्ष में थे। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे के गुट को एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि पार्टी के विभाजन के कारण उसके पास पर्याप्त उम्मीदवारों की कमी है। बैठक में कांग्रेस प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि शिवसेना और शरद पवार की राकांपा में विभाजन के बाद, सबसे पुरानी पार्टी राज्य में स्थिर वोट शेयर वाली एकमात्र पार्टी प्रतीत होती है।

बंगाल में भाजपा के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करेगी टीएमसी : ममता

ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नागरिकता को लेकर दिए गए एक बयान के जवाब में कहा शाह ने इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का काम किया है। पश्चिम बंगाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी(माकपा) और कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अगुवाई करेगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपाविपक्षी दलों के नेताओं पर चोर का ठप्पा लगा रही है। उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसी व्यवस्था बन गयी है जहां लोकतंत्र का संचालन केंद्रीय एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। ममता ने कहा, कि माकपा, भाजपा और कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में गठबंधन बनाया है और सक्रि य रूप से हमारे खिलाफ प्रचार कर रहे हैं।

सपा-बसपा दोनों मिलकर इंडिया गठबंधन में आएं : केशव देव

अखिलेश यादव की सहयोगी महान दल के नेता केशव देव मौर्य ने सपा और बसपा को फिर से इंडिया गठबंधन के तहत साथ आने की सलाह दी और कहा कि मायावती एक कुशल नेता हैं और अगर वो देश की प्रधानमंत्री बनती है तो इसे देश का सम्मान भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर सपा और बसपा इस बात का समर्थन करते हैं तो उन्हें साथ आना चाहिए। हालांकि सपा पहले बसपा को साथ लाने का विरोध कर चुकी है। केशव मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, सपाई और बसपाई दोनों मिलकर 2024 मे इंडिया गठबंधन के बैनर तले बहन मायावती को देश का प्रधानमंत्री बनाओ! और.. 2027 में सपाई-बसपाई दोनों मिलकर अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाओ.! बात अच्छी लगे तो आओ हाथ मिलाओ।

महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) अब भी बड़ी पार्टी : राउत

सीटों के बटवारे मामले में उद्धव गुट की ओर से जवाब आया है। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि आज भी महाराष्ट्र में शिवसेना नंबर वन पार्टी है। लोग शिवसेना और शरद पवार के पूर्ण समर्थन में हैं। सीट बंटवारे के मुद्दे पर एमवीए के बीच कोई मतभेद नहीं है। लोकसभा चुनाव में शिवसेना हमेशा 23 सीटों पर लड़ती रही है। सीट बंटवारे को लेकर हम कांग्रेस के निर्णय लेने वाले नेताओं के साथ सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है, उद्धव ठाकरे राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस के निर्णय लेने वाले नेताओं के साथ सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। राउत ने कहा कि इंडिया गठबंधन बैठक के दौरान, हमने फैसला किया कि हमने जो सीटें जीती हैं, उन पर बाद में चर्चा की जाएगी।

चुनाव में महिलाएं देंगी सपा का साथ : अखिलेश

» जहां-जहां बीजेपी की सरकार है वहां महिलाएं हैं असुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हुई इस महिला सभा ने तय किया है कि 2024 में सपा को जिताने का काम करेंगे। अखिलेश ने कहा कि हमारी सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिला है। पीडीए का नारा देने वाली सपा ने कहा कि पीडीए का नारा तभी पूरा होगा जब आधी आबादी साथ हो और इसी कड़ी में आज की बैठक हुई है।

सपा चीफ ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक के साथ आधी आबादी भी हमारे साथ है, किसी भी समस्या के खिलाफ, गैर बराबरी के खिलाफ इन्हीं आधी आबादी को लड़ना पड़ता है, अखिलेश यादव ने बीजेपी कर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश में अगर कहीं महिला असुरक्षित है तो यूपी में है, जहां-जहां बीजेपी की सरकार है वहां महिला असुरक्षित है। अखिलेश यादव ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने के सवाल पर कहा कि हम सभी लोग उस परंपरा को मानते हैं कि जब भगवान बुलाते हैं तभी दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि घर से भगवान के दर्शन करके निकलते हैं। सीढ़ी उतरते ही भगवान के दर्शन होते हैं। दरवाजा खोलते ही भगवान के दर्शन होते हैं। अब आप ही बताइए कि किस भगवान के दर्शन करने जाऊं। स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों पर उन्होंने कहा कि ये भाजपा वालों से पूछना चाहिए क्योंकि वे भाजपा में पांच साल रहे। आखिरकार उनके दल में रहकर उन्होंने इस तरह के बयान क्यों नहीं दिए फिर बोले कि ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं। सपा सभी धर्मों का सम्मान करती है। सपा प्रमुख ने कहा कि लोकसभा चुनाव की लगातार तैयारी हो रही है। गठबंधन बनने के बाद यूपी की 80 सीटें हराने का काम करेंगे और भाजपा को हटाएंगे।

भगवान का जब बुलावा आता है तभी दर्शन होते हैं

उन्होंने कहा कि संविधान और नारी सम्मान दोनों बचाएंगे। महिलाओं को लेकर बोले कि लोकसभा चुनाव में समाजवादी महिला संगठन पूरी ईमानदारी के साथ सपा को जिताने का काम करेगा। सपा ने हमेशा पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं की बात उठाई है। सबसे ज्यादा गैर बराबरी का सामना महिलाओं को करना पड़ता है। आरोप लगाया कि यूपी में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं को मणिपुर याद है। सभी ने इस कांड की निंदा की लेकिन भाजपा ने नहीं की।

हमारी सरकार बनती तो 3000 रुपये पेंशन देते

महिला सुरक्षा पर सपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर 1090 हेल्पलाइन शुरू की। सभी राज्यों के साथ सुप्रीम कोर्ट ने तारीफ की। न्यूट्रीशन मिशन में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार मिलता था। समाजवादी पेंशन 500 रुपये दे रही थी। हमारी सरकार बनती तो गरीब महिलाओं को 3000 रुपये देती। महिला सम्मेलन में प्रस्ताव रखेंगे कि सपा अपने घोषणा पत्र के अनुरूप महिलाओं को 3000 रुपये महीना समाजवादी पेंशन देगी। महिला पहलवानों द्वारा सम्मान लौटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए सपा उनके साथ है। पदाधिकारियों की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह और प्रदेश अध्यक्ष नीरू श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता थे।

चुनाव आते ही निकले नौकरी के विज्ञापन, वोट के बाद सब होगा ठप

पुलिस भर्ती में उम्र बढ़ाने के बाद जयंत चौधरी के बयान ये उनका न्यू ईयर गिफ्ट है पर अखिलेश ने सवाल किया, जयंत चौधरी को रिटर्न गिफ्ट में क्या मिला। फिर बोले कि सपा ने भी उम्र बढ़ाने की मांग की थी। उम्र को लेकर पूरे प्रदेश के नौजवान आक्रोश में थे। सरकार नौजवानों के आक्रोश से डरती है, इसीलिए उनकी मांग स्वीकार की। उन्होंने तंज कसा कि चुनाव करीब हैं इसलिए नौकरी की बात की है लेकिन रिजल्ट वोट पड़ने के बाद भी नहीं आएगा।

मुख्य सचिव की लापरवाही से कार्रवाई रिपोर्ट लीक : भारद्वाज

» बुराड़ी अस्पताल मामले में एलजी को की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को पत्र लिखकर बुराड़ी अस्पताल के यौन उत्पीड़न मामले में कार्रवाई रिपोर्ट को मीडिया में 25 दिसंबर को कथित तौर पर लीक करने के लिए मुख्य सचिव नरेश कुमार और कर्मचारियों को निलंबित करने की सिफारिश की है। भारद्वाज ने सक्सेना को लिखे अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 24 दिसंबर को ही उन्होंने मुख्य सचिव को इतने गंभीर मामले पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे, जिसमें एक समिति का गठन करने, छह घंटे के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) दाखिल करने, प्रारंभिक रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर और अंतिम रिपोर्ट सात दिनों के भीतर देने का आग्रह किया गया था।

भारद्वाज ने एक बयान जारी करके कहा था कि उन्हें इस मामले पर कुमार से उनके पत्र पर कोई कार्रवाई रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, मुख्य सचिव के कार्यालय ने कहा था कि उन्होंने सोमवार को कार्रवाई रिपोर्ट जमा कर दी है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि रविवार को स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश उन तक पहुंचने से पहले ही एक राजनीतिक दल को लीक कर दिए गए और उन्होंने अपने सचिव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का प्रस्ताव रखा। सक्सेना को भेजे गए आधिकारिक पत्र में भारद्वाज ने आरोप लगाया कि मुख्य सचिव ने सोमवार के अपने नोट में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई।

छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम पद असंवैधानिक: अकबर

» कांग्रेस नेता ने उठाया सवाल, बीजेपी ने कहा- किरकिरी करवा रही कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आदिवासी नेता विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया है। उनके साथ अरुण साव और विजय शर्मा को डिप्टी सीएम बनाया गया है। इसपर पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि डिप्टी सीएम का पद मान्य नहीं है। इसके साथ उन्होंने ये भी दावा किया है कि दोनों डिप्टी सीएम ने मंत्री पद का शपथ भी नहीं लिया है तो उनके कार्यों को भी असंवैधानिक माना जाए।

पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा है कि संवैधानिक प्रावधान यह है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल करेगा लेकिन किसी राज्य के मंत्री परिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। संविधान में उप मुख्यमंत्री का पद नहीं है इसलिए उप मुख्यमंत्री के पद व गोपनीयता की शपथ का कोई औचित्य नहीं है। ऐसी शपथ विधि की दृष्टि में शून्य है। संविधान की तृतीय अनुसूची में पद व गोपनीयता की शपथ का स्पष्ट प्रारूप है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर पलटवार किया है। डिप्टी सीएम शर्मा ने इस बड़ा बयान को दुर्ग में दिया है। विजय शर्मा डिप्टी सीएम बनने के बाद पहली बार दुर्ग पहुंचे। जहां उन्होंने मोहन नगर के गुरुद्वारा में माथा टेका। इसके बाद जिला भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओ से मुलाकात की। कार्यकर्ताओ ने विजय शर्मा का जोरदार स्वागत किए।

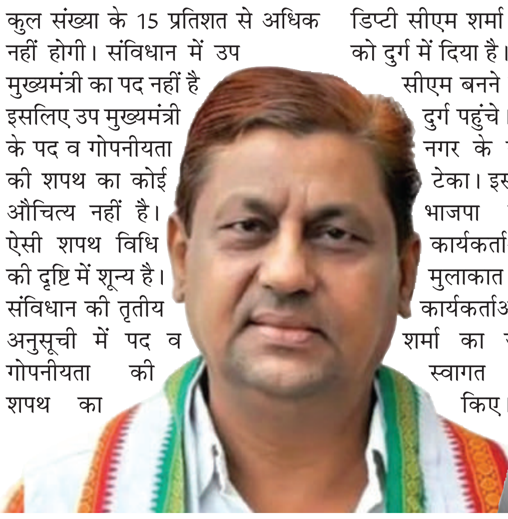

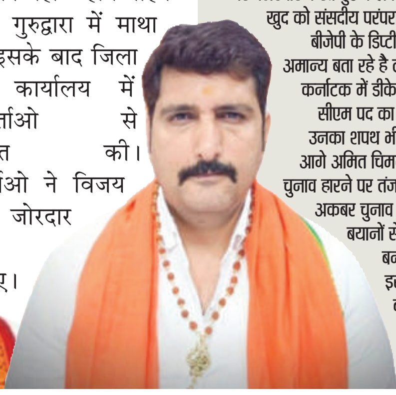

डीके शिवकुमार का शपथ भी अमान्य है क्या : चिमनानी

डिप्टी सीएम के पद पर उठ रहे सवाल के बाद बीजेपी ने कांग्रेस को 8 महीने पहले कर्नाटक में डीके शिवकुमार के शपथ को याद दिलाया है। बीजेपी के मीडिया इंचार्ज अमित चिमनानी ने अकबर के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मोहम्मद अकबर खुद को संसदीय परंपरा के ज्ञाता मानते है। बीजेपी के डिप्टी सीएम के शपथ को अमान्य बता रहे है तो 8 महीने के पहले कर्नाटक में डीके शिवकुमार ने डिप्टी सीएम पद का शपथ लिया है, क्या उनका शपथ भी अमान्य है? इसके आगे अमित चिमनानी ने अकबर को चुनाव हारने पर तंज कसते हुए कहा कि अकबर चुनाव हारने के बाद अपने बयानों से खुद को मीडिया में बनाए रखना चाहते है, इस तरह के बयान के बाद पूर्व मंत्री अकबर ने अपनी और किरकिरी करवा ली है।

बीजेपी व कांग्रेस की नीतियां गरीब विरोधी : आकाश आनंद

» गुना बस दुर्घटना पर दुख जताया, बोले- सरकार नई परिवहन नीति बनाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुना में बस में आग लगने से हुए 13 लोगों की मौत पर बसपा नेता आकाश आनंद ने दुख जताया है, इसके साथ ही मायावती के भतीजे ने इस हादसे को लेकर बीजेपी और कांग्रेस पर भी सवाल खड़े किए हैं। बसपा नेता आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा-मध्य प्रदेश के गुना में बस में आग लगने की घटना बेहद दु:खद है। कुदरत मृतकों के परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति दे, मैं हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

इस घटना के लिए कांग्रेस और भाजपा की गरीब विरोधी नीतियां जिम्मेदार हैं, सभी जानते हैं कि कांग्रेस की दिग्विजय सिंह की सरकार में सड़क परिवहन निगम के बंद होने से प्रदेश में प्राइवेट बस माफिया की मनमानी चलने लगी और उसके बाद से भाजपा सरकार ने भी गरीब जनता की सहूलियत के लिए इस पर ध्यान नहीं दिया। हर बार कोरे आश्वासन दिए गए। वहीं आकाश आनंद ने पोस्ट कर लिखा यही वजह है प्रदेश में प्राइवेट बस मालिक मनमानी करते आए और लोग जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर होते रहे। उम्मीद है नई सरकार जनता के हित में नई परिवहन नीति बनाएगी और गरीब जनता को सरकारी बस सुविधा उपलब्ध कराएगी और बस माफिया पर लगाम लगाएगी। इस हादसे को लेकर पुलिस ने बताया कि रात के समय करीब नौ बजे यह हादसा हुआ है।

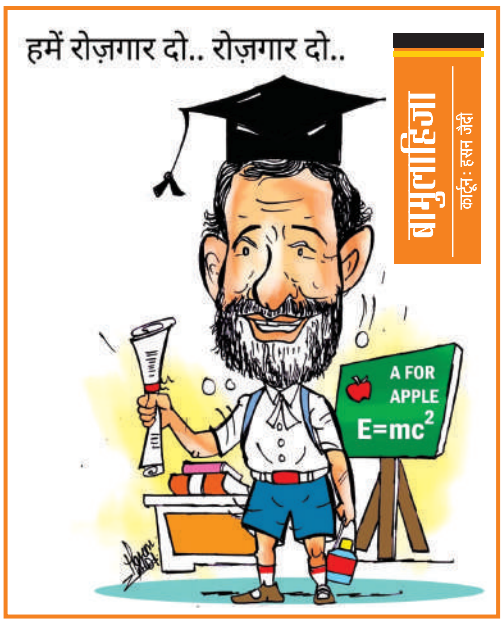

यूपी के रास्ते निकलेगा 24 के चुनाव का ताज!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव-24 के लिए हर सियासी दल अपनी-अपनी कमर कसने लगा है। क्या भाजपा,क्या कांग्रेस क्या सपा, क्या बसपा या फिर आप सभी राजनीतिक दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी है। सारे दल यूपी से लेकर सुदूर दक्षिण तक अपने साथियों को साधने में भी लग गए है। सबसे ज्यादा सियासी विश्लेषकों की नजर यूपी पर है। इसकी सबसे बड़ी वजह अयोध्या है। वहां पर 22 जनवरी को राम मंदिर को उद्घाटन होना है। इसमें लगभग सभी दलों को निमंत्रण दिया है। कुछ इसमें शामिल होंगे तो कुछ इससे किनारा करेंगे।

अब आगे देखना होगा राम मंदिर के उद्घाटन के बाद राजनीतिक दिशा किस ओर बहती है। पर इन सब के बीच यूपी में सियासत पूरी तरह से चुनावी मोड में आने लगी है। जहां कांग्रेस ने अपने प्रभारी को बदल दिया है वंही बहुत से नेता अपने पुराने सियासी दलों को छोड़कर भाजपा के दरबारी बनने को आतुर हैं। बसपा, सपा के कई नेता पाला बदलने की तैयाारी में हैं। उधर पिछले कुछ वर्षों में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व वाली कांग्रेस के बीच प्यार और नफरत का रिश्ता रहा है। सबसे पुरानी पार्टी और सपा तब करीब आए जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी-अमित शाह के नेतृत्व वाली भगवा पार्टी को एकजुट चुनौती देने के लिए भाजपा विरोधी गुट बनाना शुरू किया। लेकिन, आश्चर्यजनक रूप से उनके रिश्ते में खटास तब आ गई जब कांग्रेस नेता कमल नाथ और अखिलेश यादव के बीच मध्य प्रदेश चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर तीखी नोकझोंक हुई, जो राज्य चुनाव में बिना किसी दोस्ती के साथ समाप्त हुई और यूपी के पूर्व प्रमुख को यह कहने के लिए भी प्रेरित किया कि कांग्रेस एक चालाक पाटी है।

- » राज्य में एनडीए व यूपीए में होगी टक्कर
- » दलों से आने-जाने वालों की संख्या बढ़ी
- » बसपा, सपा के कई दिग्गज मैदान में
- » अब सामजिक मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने की मांग

कांग्रेस ने यूपी में प्रियंका को छोड़ अविनाश को बनाया प्रभारी

यूपी में पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को महज दो प्रतिशत वोट। लोकसभा में प्रदेश से केवल एक सदस्य। 403 सीटों वाली विधानसभा में सिर्फ दो सदस्य। चार दशकों से अधिक समय से प्रदेश में राजनीतिक वनवास भोग रही पार्टी का उजड़ा सांगठनिक ढांचा। कांग्रेस की यह वर्तमान स्थिति पार्टी के नए प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय की चुनौतियों का सहज ही अहसास कराती है। कांग्रेस ने भले ही नए प्रभारी के पद पर पांडेय की नियुक्ति सवर्ण वोट बैंक पर निशाना साधने के साथ ही कार्यकर्ताओं में भी नया जोश भरने का प्रयास किया है। प्रियंका वाड्रा की दूसरे राज्यों में व्यस्तता के चलते उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से दूरियां लगातार बढ़ रही थीं। ऐसे में पार्टी ने आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले नए प्रभारी के रूप में एक और प्रयोग जरूर किया है। दरअसल, बतौर प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा के विभिन्न प्रयोग विफल रहे। ऐसी दशा में पांडेय के सामने अलग रणनीति के साथ कार्यकर्ताओं को तेजी से जोड़ने की दोहरी चुनौती होगी। पांडेय का आगमन भी प्रदेश में तब हो रहा है, जब यहां आईएनडीआईए को लेकर कम खींचतान नहीं देखने को मिली है। पांडेय को गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं के साथ तालमेल बिठाकर चार दशक से अपने खोए जनाधार को तलाश रही कांग्रेस को मजबूत करना होगा।

अविनाश पांडेय पर होगी चुनौती

पांडेय उत्तर प्रदेश में पहले सह प्रभारी के रूप में काम कर चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए ही उन्हें यह जिम्मा सौंपा गया है। संगठन का अनुभव रखने वाले पांडेय के सामने पार्टी को अपने इशारे पर नचाने वाले कुछ नेताओं से निपटने की चुनौती भी होगी। इन दिनों यूपी जोड़ो यात्रा चल रही है। यह भी देखना दिलचस्प होगा कि पांडेय कब उत्तर प्रदेश का रुख करते हैं। प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को यूपी जोड़ो यात्रा के लिए गठित सलाहकार समिति के सदस्यों की बैठक में नए प्रभारी के रूप में अविनाश पांडेय के चयन के लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया गया। वरिष्ठ नेता कहा कि पांडेय को उत्तर प्रदेश की भौगोलिक व राजनीतिक स्थितियों की अच्छी जानकारी है। वह संगठन को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

बसपा से कई और जाने की तैयारी में

लोकसभा चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी को तगड़ा झटका लग सकता है। दावा है कि लालगंज से बसपा सांसद संगीत आजाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकती हैं। बीएसपी सांसद और लालगंज से पूर्व विधायक आजाद अरीमर्दन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बीएसपी सांसद की मुलाकात पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद से बसपा के पूर्व विधायक व लालगंज सांसद बीजेपी की संपर्क में है। इससे पहले पूर्व विधायक और सांसद आरएससके मीटिंग में भी शामिल हो चुके हैं। चर्चा है कि बीएसपी सांसद बीजेपी में शामिल हो सकती हैं, हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि संसद के

शीतकालीन संत्र के दौरान पीएम से मुलाकात हुई और अपने लोकसभा क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। पीएम से मुलाकात के संदर्भ में संगीता आजाद ने फेसबुक पर पोस्ट भी किया। उन्होंने लिखा- शीतकालीन शत्र के दौरान प्रधानमंत्री से मुलाकात का मौका मिला और मिलकर आजमगढ़ के विकास के लिए आज़मगढ़ से दिल्ली के लिए नयी वन्दे भारत ट्रेन एवं मंदूरी हवाई अड्डे से आजमगढ़ से दिल्ली, मुंबई, कोलकत्ता के लिये हवाई जहाज चलाने की मांग, मांगपत्र द्वारा सौंपा और प्रधानमंत्री ने आश्वासन भी दिया मुझे विश्वास है कि आजमगढ़ की जनता की अपेक्षायें शीघ्र पूरी होंगी। इससे पहले जौनपुर से बसपा सांसद श्याम सिंह यादव के भी कांग्रेस में शामिल होने की खबरें थीं। उन्होंने शीतकालीन सत्र के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात भी की थी। हालांकि बाद में बसपा सांसद ने इस मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से न देखे जाने की बात कही।

अमित शाह-नड्डा ने बनाई बंगाल की नई रणनीति

19 दिसंबर को ब्लॉक पार्टियों की आखिरी बैठक में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहाराज्य स्तर पर सीट-बंटवारे की बातचीत पर ध्यान केंद्रित करेगा और देश भर में सार्वजनिक बैठकें आयोजित करेगा, इस बात पर जोर देते हुए कि प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार पर कोई भी निर्णय होगा चुनाव के बाद लिया गया। सूत्रों ने कहा कि इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने जनवरी के दूसरे सप्ताह तक सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने का फैसला किया है।

भाजपा को 80 सीटों पर हराने का काम करेगी सपा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव की लगातार तैयारी हो रही है। गठबंधन बनने के बाद यूपी की 80 सीटें हराने का काम करेंगे और भाजपा को हटाएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान और नारी सम्मान दोनों बचाएंगे। महिलाओं को लेकर बोले कि लोकसभा चुनाव में समाजवादी महिला संगठन पूरी ईमानदारी के साथ सपा को जिताने का काम करेगा। सपा ने हमेशा पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं की बात उठाई है। सबसे ज्यादा गैर बराबरी का सामना महिलाओं को करना पड़ता है। आरोप लगाया कि यूपी में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं को मणिपुर याद है। सभी ने इस कांड की निंदा की लेकिन भाजपा ने नहीं की। सपा चीफ ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक के साथ आधी आबादी भी हमारे साथ है। किसी भी समस्या के खिलाफ, गैर

बराबरी के खिलाफ इन्हीं आधी आबादी को लड़ना पड़ता है। अखिलेश यादव ने बीजेपी कर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश में अगर कहीं महिला असुरक्षित है तो यूपी में है। जहां-जहां बीजेपी की सरकार है वहां महिला असुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हर दिन अखबारों में महिला उत्पीड़न की घटना कहीं न कहीं देखने को मिलती है, दुनिया में कहीं भी महिला के खिलाफ घटना हुई तो सबने निंदा की पर मणिपुर की घटना पर बीजेपी ने क्या किया, ये सबको सोचना पड़ेगा। महिलाओं के साथ कहीं भी अन्याय होगा तो समाजवादी पार्टी उन्हें न्याय दिलाने के लिए उनके साथ है।

सीटों के बंटवारे पर रार

अगर हम उनके पिछले चुनाव गठबंधन पर नजर डालें, तो हम पाते हैं कि इसका कोई परिणाम नहीं निकला और विधानसभा चुनाव 2017 में बुरी तरह विफल रहा। सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 403 में से केवल 54 सीटें जीतीं। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर राजनीतिक दल अपनी तैयारियों को शुरू कर चुके हैं। भाजपा के खिलाफ 26 से ज्यादा दलों ने इंडिया नाम का गठबंधन बनाया है। इसको लेकर उत्तर प्रदेश से बड़ी खबर आ रही है। समाजवादी पार्टी (एसपी) लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 10 सीटें और राष्ट्रयय लोक दल (आरएलडी) को 5-7 सीटें देने की पेशकश कर सकती है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। यह तीनों दल इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं। अगर हम उनके पिछले चुनाव गठबंधन पर नजर डालें, तो हम पाते हैं कि इसका कोई परिणाम नहीं निकला और विधानसभा चुनाव 2017 में बुरी तरह विफल रहा। सपा-कांग्रेस गठबंधन ने 403 में से केवल 54 सीटें जीतीं। उस समय, मुलायम सिंह यादव ने इसके लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया था। इस बीच, हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के चुनावों के बाद दोनों पार्टियां दोस्ती मोड में लौट आईं, उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ अपने सुर नरम कर दिए और अब वे एकजुट विपक्ष की बात कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कश्मीर में क्यों नहीं रुक रही आंतकी हमले

“ यक्ष प्रश्न यही उठता है धारा 370 खत्म होने के बाद भी ऐसी घटनाओं में कमी क्यों नही आ पा रही है। सरकार को इस पर ध्यान देना होगा। हालांकि आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो इसमें संदेह नहीं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यह भी सच है कि ऐसे कई हमले पिछले कुछ अर्से में हुए हैं। हमले का वक्त यह संविधान के अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद किया गया पहला बड़ा आतंकवादी हमला है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक बार फिर आतंकवादियों ने घात लगाकर सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। उसके बाद रक्षा मंत्री ने वहां का दौरा कर दुश्मनों को चेतावनी दी कि भारत की भूमि पर आतंकवाद को पनपने नहीं दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने सैनिकों के परिजनों को भी सांत्वना भी दिया कि पूरा देश उनके साथ है। ये सब तो ठीक है। पर यक्ष प्रश्न यही उठता है धारा 370 खत्म होने के बाद भी ऐसी घटनाओं में कमी क्यों नही आ पा रही है। सरकार को इस पर ध्यान देना होगा। हालांकि आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो इसमें संदेह नहीं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यह भी सच है कि ऐसे कई हमले पिछले कुछ अर्से में हुए हैं। हमले का वक्त यह संविधान के अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद किया गया पहला बड़ा आतंकवादी हमला है। ऐसे में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि इसके पीछे आतंकियों की हताशा से उपजी यह दर्शाने की भावना हो कि उनका वहां अब भी थोड़ा-बहुत प्रभाव बना हुआ है। अगर यह बात सही है तो हो सकता है आने वाले दिनों में ये बचे-खुचे आतंकी तत्व ऐसी और वारदात को अंजाम देने की कोशिश करें। जाहिर है, सुरक्षाकर्मियों को इस लिहाज से भी अपनी तैयारी रखनी होगी। बार-बार हो रहे हमले पुंछ और राजौरी के सीमावर्ती जिस इलाके में यह आतंकी हमला हुआ है, वह घने जंगलों के लिए जाना जाता है।

डेरा की गली और बुफलियाज के बीच के इस इलाके में चामरेर के जंगल हैं और आगे भाटा धुरियन जंगल शुरू हो जाता है। इसी इलाके में इस साल अप्रैल में सेना के वाहनों पर हुए ऐसे ही हमले में पांच जवान शहीद हुए थे। इसके अगले महीने मई में यहीं एक आतंकविरोधी अभियान के दौरान सेना पर हमला हुआ, जिसमें पांच जवानों की जान गई। यही नहीं, अक्टूबर महीने में फिर यहीं आतंकी हमला हुआ, जिसमें नौ जवान शहीद हुए। ये घटनाएं संकेत देती हैं कि जम्मू-कश्मीर के अन्य हिस्सों में सुरक्षा बलों के दबाव और संभवत- स्थानीय आबादी में कम होते समर्थन के कारण आतंकवादी तत्वों ने इस जंगली इलाके को अपना नया ठिकाना बनाया है। पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या रोजगार के मौके जिस तरह से बढ़ा रही है और सीमा पार से घुसपैठ को जिस तरह से रोका गया है, उन्हें देखते हुए यह समझना मुश्किल नहीं कि आतंकवादियों का यह ठिकाना भी ज्यादा समय तक बना नहीं रह सकता। अच्छी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब अगले साल चुनाव होना भी तय हो चुका है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया कुश्ती संघ के विवाद ने

अशोक मधुप

पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी।

भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। कुछ महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। संजय सिंह के चुनाव के बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वहीं बजरंग पूनिया ने अपना %पद्मश्री% लौटा दिया था। हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का ऐलान किया था।

दरअसल इस चुनाव को रद्द करने का कारण सरकार का सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका देना था। इनके बेटे और नजदीकियों ने अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा के बाद क्षेत्र में बड़े हार्डिंग लगवाए थे कि दबदबा तो है, दबदबा रहेगा...ये भगवान की देन है। ये वहीं पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। चुनाव के रद्द होने के बाद गाड़ियों से भी %दबदबा% वाले स्टीकर

और चौराहों पर लगे हार्डिंग भी हटा दिए गए। चुनाव के बाद नए अध्यक्ष की अंडर-15 और अंडर-18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा और ये पोस्टर सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके नजदीकियों के इरादे बताने के लिए काफी था। वरन स्टेडियम तो पूरे देश में बने हैं। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है।

छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुश्ती को लेकर क्या करना है, इसका फैसला नए चुए गए पदाधिकारियों को करना है। उन्होंने कहा कि उनके पास कई और भी काम हैं। उन्होंने कहा कि वो इस खेल की राजनीति से दूर रहेंगे। ये घोषणा उन्होंने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नडडा से मिलने के बाद की। लगता है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा ने उन्हें समझा दिया कि टिकट बचाना है तो कुश्ती से दूर रहें। हालाकि उन्होंने कह दिया कि कुश्ती से उनका कोई लेना-देना नहीं है जबकि सच्चाई यह है पद से हटने के छह माह बाद भी कुश्ती संघ का कार्यालय उनके घर पर चल रहा है।

कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन-बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए।

कमोबेश, आशाभरी खबरों के बीच एक साल

प्रमोद जोशी

गुजरते साल के आखिरी हफ्ते में हम पीछे मुड़कर देखना चाहें, तो पाएंगे कि पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह साल अपेक्षाकृत सकारात्मक उपलब्धियों का रहा है। पिछले साल का समापन कोविड-19 के नए अंदेशों के साथ हुआ था, पर उन पर विजय पा ली गई। हालांकि, देश के कुछ इलाकों से बीमारी की खबरें फिर से आ रही हैं, पर खतरा ज्यादा बड़ा नहीं है। ज्यादातर बड़ी खबरें आर्थिक पुनर्निर्माण और राजनीतिक उठा-पटक से जुड़ी हैं। साल के अंत में हुए विधानसभा चुनावों, नए संसद भवन और संसदीय-राजनीति, सुप्रीम कोर्ट के कुछ बड़े फैसलों, चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1 मिशन जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियों के महत्व को रेखांकित किया जाना चाहिए। इस साल हमारे पास निराशा से ज्यादा आशाभरी खबरें हैं।

चलते-चलाते साल के अंत में आर्थिक मोर्चे से अच्छी खबरें मिली हैं, जो बता रही हैं कि भारतीय जीडीपी अब 7 से 7.5 प्रतिशत सालाना की दर से संवृद्धि की दिशा में बढ़ रही है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश की बाढ़, सिलक्यारा सुरंग, बालेश्वर (बालासोर) ट्रेन-दुर्घटना, मणिपुर की हिंसा और उसके दौरान वायरल हुए शर्मनाक वीडियो से जुड़ी निराशाओं को भी भुलाना नहीं चाहिए। गत 13 दिसंबर को संसद भवन हमले की सालगिरह पर एक और बड़ी घटना को अंजाम दिया गया। लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कुछ लोग अंदर कूद गए और उन्होंने एक कैन से पीले रंग का धुआं छोड़ा।

हमलावरों पर काबू पा लिया गया, पर इसके बाद सत्तापक्ष और इंडिया गठबंधन से जुड़े विरोधी दलों के बीच टकराव शुरू हो गया, जिसकी परिणति 146 सांसदों के निलंबन के रूप में हुई है। यह परिघटना न केवल शर्मनाक है, बल्कि खतरनाक भी। इसे ऐसे दिन अंजाम दिया गया, जो 2001 के संसद पर हुए हमले की तारीख है। इस दृष्टि से यह देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था के आंगन सुरक्षा में हुई चूक से ज्यादा राष्ट्रीय-प्रतिष्ठा का प्रश्न है। इसका सांकेतिक महत्व है। लगता है कि यह गतिरोध नए साल में बजट सत्र में भी चलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर को एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी व्यवस्था थी, जिसे हटाए जाने का फैसला पूरी तरह संवैधानिक है। इस निर्णय ने अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाए जाने के 5 अगस्त, 2019 के फैसले पर कानूनी मुहर लगा दी। कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा जल्द दिया जाना चाहिए और अगले साल सितंबर के महीने तक राज्य में चुनाव कराए जाने चाहिए। अब 2024 के लोकसभा चुनाव के साथ जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के संचालन की उम्मीद भी करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की सरेआम गोली मारकर हत्या की खबर ने इस साल काफी सुर्खियां बटोरी। ये हत्याएं मीडिया के सामने लाइव हुई थीं। यह प्रकरण राजनीति और अपराध के गठजोड़ से जुड़े कुछ गंभीर सवालों को उठाता है। अप्रैल के महीने में खालिस्तानी समर्थक वारिस पंजाब के प्रमुख अमृतपाल को एक महीने तक लगातार पीछा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। फिलहाल, अमृतपाल जेल में है। हालांकि, कनाडा और अमेरिका के साथ खालिस्तानी आंदोलन को लेकर बदमज़गी रही, पर वैश्विक राजनीति में भारत के हस्तक्षेप की दृष्टि से दिल्ली में हुए जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खेल के मोर्चे पर क्रिकेट में भारतीय टीम ने आईसीसी की टेस्ट टीम रैंकिंग में पहला स्थान हासिल करके नया इतिहास रचा है। भारतीय टीम क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर-1 टीम बन गई, पर भारत में ही हुई एकदिनी क्रिकेट की विश्वकप प्रतियोगिता के फाइनल में परास्त हो गई। इस साल चीन के हैंगजाऊ में हुए एशियाई खेलों में कई प्रकार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में बड़ा कदम रखा। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है पदक तालिका में 'सौ की मानसिक सीमा-रेखा' को पार करना। यह उपलब्धि देश के आकार को देखते हुए पर्याप्त नहीं है, पर पिछले प्रदर्शनों से इसकी तुलना करें, तो बहुत बड़ी है। यह भारत के विकसित होते बदलते सामाजिक-आर्थिक स्तर को भी रेखांकित कर रही है। उम्मीद है कि 2024 के पेरिस-ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी सफलता के एक और चरण को पार करेंगे। दूसरी तरफ भारतीय कुश्ती संघ का विवाद आंदोलनों और कानूनी लड़ाइयों से घिरा रहा, जो साल का अंत होते-होते चल ही रहा है।

राष्ट्रीय राजनीति लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ रही है। उसे देखते हुए सत्तापक्ष और विपक्ष की गतिविधियां क्रमशः बढ़ती जा रही हैं। पिछले साल का अंत राहुल गांधी की 'भारत-जोड़ो यात्रा' के दिल्ली पड़ाव के साथ हुआ था और इस साल उस यात्रा का फलितार्थ था। इस लिहाज से भारत के 26 प्रमुख विरोधी दलों ने 18 जुलाई को बेंगलुरु में 'नए गठबंधन इंडिया' की बुनियाद रखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव का बिगुल बजा दिया। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की विजय को कांग्रेस की उपलब्धियों में गिना जाएगा। राहुल गांधी के लोकसभा से अयोग्य घोषित होने और उनकी बहाली और संसद के शीत सत्र में 146 सांसदों के निलंबन ने संसदीय राजनीति से जुड़े कुछ गंभीर सवालों की ओर इशारा किया है। साल के अंत में पांच विधानसभाओं के चुनावों ने इंडिया गठबंधन को लेकर कुछ बुनियादी सवाल भी खड़े किए हैं। दूसरी तरफ तीन हिंदीभाषी राज्यों में जीत के बाद बीजेपी ने बड़ी तेजी से लोकसभा चुनाव की रणनीतियों पर काम शुरू कर दिया है।

नए साल 2024 के आगाज में कम वक्त बचा है। नए साल के स्वागत को लेकर लगभग सभी उत्साहित होते हैं। लोग साल की शुरुआत कुछ यादगार तरीके से करना पसंद करते हैं। इसके लिए लोग दोस्तों या परिजनों के साथ पार्टी या फिर कहीं सफर की योजना पहले से बनाने लगते हैं। कई लोग नए साल में घूमने की योजना बना रहे होंगे। साल की शुरुआत भी वीकेंड से हो रही है। 30 और 31 दिसंबर को शनिवार व रविवार है। इसके बाद 1 जनवरी को सोमवार है। ऐसे में जो लोग घूमने जाना चाहते हैं, वह शनिवार और रविवार की छुट्टी और नए साल यानी 1 जनवरी की छुट्टी का लाभ उठा सकते हैं। तीन दिन की यादगार ट्रिप पर आप भारत के कई पर्यटन स्थलों की सैर कर सकते हैं। हालांकि नए साल में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है, इसलिए किसी भी जगह पर जाने से पहले वहां की पूरी जानकारी एकत्र कर लें ताकि सफर का मजा किरकिरा न हो जाए।

नए साल का जश्न मनाने जाएं

शिमला-मनाली

शिमला मनाली में रहता है लंबा ट्रैफिक जाम

ये दोनों ही पर्यटन स्थल यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं, जहां हर साल लाखों सैलानी पहुंचते है। हालांकि अगर आप नए साल में शिमला मनाली जा रहे हैं तो घंटों ट्रैफिक में फंस सकते हैं। दिल्ली से बेहद करीब होने के कारण यहां सैलानियों की संख्या बहुत अधिक हो जाती है। पिछले साल नए साल के मौके पर हजारों यात्रियों की गाड़ियां घंटों ट्रैफिक जाम में फंसी रही थीं। ऐसे में खुद की गाड़ी या सड़क परिवहन से यात्रा कर रहे हैं तो वीकेंड से पहले ही यहां पहुंच जाएं। प्रयास करें किसी ऐसी जगह पर घूमने की योजना बनाएं जहां बहुत अधिक सैलानी न हों ताकि आप खुलकर नव वर्ष के जश्न को एन्जॉय कर सकें।

ऑनलाइन होटल करें बुकिंग

पर्यटकों की संख्या बढ़ने के कारण नए साल के मौके पर अधिकतर होटलों की बुकिंग पहले से हो जाती है और अच्छे व किफायती होटलों में कमरे मिलना मुश्किल हो जाता है। वहीं पर्यटन का सीजन होने के कारण होटलों में कमरे का रेट भी बढ़ जाता है। ध्यान रखें कि अगर आप नए साल पर किसी भी पर्यटन स्थल पर जा रहे हैं तो पहले से ही आनलाइन होटल बुकिंग करा लें ताकि वहां पहुंचकर भटकना न पड़े और मनमुताबिक रूम किराया वसूले जाने से भी बच सकें। नए साल पर शिमला में होटल का किराया लगभग 1,500 हजार रुपये से अधिक है। बजट में सफर के लिए आप होम स्टे में भी रह सकते हैं। मनाली में भी आपको 1000 रुपये में होटल में कमरा मिल जाएगा, लेकिन पहले से बुकिंग कराकर जाएं।

कैसे पहुंचे शिमला-मनाली

दिल्ली से शिमला की दूरी लगभग 343 किमी है। 8 घंटे का सफर तय करके यहां पहुंचा जा सकता है। अगर आप ट्रेन से जा रहे हैं तो कालका से ट्रेन बदलनी पड़ती है। रास्ते में बरोग के पास स्थित सबसे लंबी सुरंग जो कि एक किमी से अधिक दूर तक फैली है, से शानदार नजारा देखने को मिल जाएगा। दिल्ली से मनाली की दूरी लगभग 503 किमी है, जहां 12 घंटे का सफर तय करके पहुंचा जा सकता है। दिल्ली से अंबाला कैंट के लिए आपको ट्रेन मिल जाएगी, जहां से आपको बस से मनाली जाना होगा।

शिमला-मनाली

नया साल पर सर्दी का मौसम रहता है। इस मौसम में हिल स्टेशनों की खूबसूरती और अधिक बढ़ जाती है। सर्दी में हिमाचल प्रदेश के कई हिल स्टेशनों पर बर्फबारी देखने को मिलती है। हिमालय की बर्फ से ढकी सफेद चादर का नजारा देखने दूर दराज से लोग पहुंचते हैं। हर साल नए साल के मौके पर शिमला-मनाली में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। इस वर्ष महज क्रिसमस के मौके पर शिमला में एक दिन में 13 हजार से ज्यादा गाड़ियों की आवाजाही हुई है। जिसमें से 6 हजार गाड़िया सोलन से शिमला और लगभग 7 हजार गाड़ियां शिमला से सोलन की तरफ गईं। मनाली की भी कुछ ऐसी ही स्थिति रही। पर्यटकों से गुलजार शिमला और मनाली में ट्रैफिक जाम की समस्या देखने को मिली। वहीं नए साल में यह स्थिति अधिक बिगड़ने की संभावना है।

हंसना मना है

बाप- बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का- वो लड़की देंगे तो उसकी मां को भी मांग लूंगा।

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर: तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट : जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी: एक जहर की बोतल देना दुकानदार: बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार: बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुत्ते के सामने मत नाचना!

हमको यु पागल बनाना छोड दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है, जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

कहानी | हाथी और दर्जी

सालों पहले एक गांव रत्नापुर में एक जाना-माना मंदिर था। उस मंदिर में रोज एक पुजारी पूजा-पाठ करता था। उस पुजारी के पास अपना एक हाथी था, जिसे वो अपने साथ रोज मंदिर लेकर जाता था। सभी गांव के लोग हाथी को बहुत पसंद करते थे। हाथी भी मंदिर में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का खूब स्वागत-सत्कार किया करता था। सुबह पूजा-पाठ खत्म करने के बाद पुजारी अपने हाथी को नहलाने के लिए तालाब में लेकर जाता था। रोज हाथी तालाब में नहाने के बाद घर लौटते समय दर्जी की दुकान पर रुकता था। दर्जी भी रोज हाथी को प्यार से एक केला खाने को देता। हाथी केला खाने के बाद अपनी सूंड से दर्जी को नमस्ते करके पुजारी के साथ घर चला जाता था। ये सब हाथी और पुजारी की रोजमर्रा की जिन्दगी का एक हिस्सा था। एक दिन हाथी जब दर्जी की दुकान पर केला खाने के लिए रुका, तो दर्जी को शरारत करने का दिल हुआ। उसने हाथी को केला देने के बाद अपने हाथ में सुई रख ली। जैसे ही हाथी ने उसे नमस्ते किया, दर्जी ने उसकी सूंड पर सुई चुभा दी। सुई चुभते ही हाथी जोर से चिंघाड़ते हुए करहाने लगा। दर्जी ने हाथी के दर्द का खूब मजाक उड़ाया और जोर-जोर से हंसने लगा। पुजारी को पता नहीं चला कि क्या हुआ। वो हाथी को सहलाते हुए अपने घर लेकर चला गया। अगले दिन फिर पुजारी और हाथी तालाब से लौटकर आ रहे थे। पुजारी कुछ दूर रुककर लोगों से बात करने लगा। हाथी रोज की तरह दर्जी की दुकान पर रुक गया। आज हाथी ने अपने सूंड में कीचड़ भर लिया था। दर्जी अपनी दुकान में बैठकर कपड़ों की सिलाई कर रहा था। जैसे ही हाथी ने दर्जी को देखा, वैसे ही हाथी ने उसकी पूरी दुकान पर कीचड़ फेंक दिया। उस कीचड़ में दर्जी तो भीगा ही, बल्कि उसकी दुकान के सीले हुए कपड़े भी खराब हो गए। इस सबसे दर्जी समझ गया कि मैंने कल जो किया था, उसी का दण्ड हाथी ने मुझे आज दिया है। दर्जी को अपनी गलती का एहसास हुआ और वो हाथी के पास भागकर गया। उसने हाथी से माफ़ी मांगने की कोशिश की। उसने कहा, हे गजराज, आपने बिल्कुल सही किया। मैंने जो कल किया था, उसका नतीजा यही होना चाहिए। हाथी ने दर्जी की तरफ देखा और अपनी सूंड को हवा में लहराते हुए वहां से चला गया। दर्ज़ी को मन-ही-मन बहुत बुरा लग रहा था। उसने अपने मजाक-मस्ती के चक्कर में एक अच्छा दोस्त हाथी खो दिया था। उस दिन से दर्जी ने ठान ली कि वो किसी को भी मजाक में भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

7 अंतर खोजें

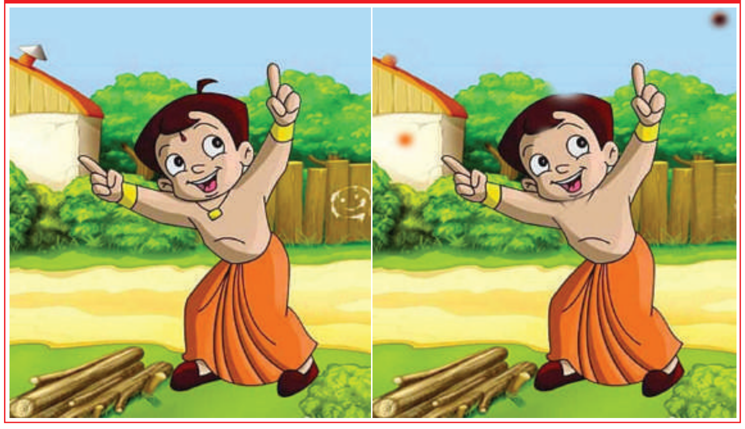

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यवसाय-व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

तुला डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृषभ भस्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृश्चिक रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है।

मिथुन कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा।

धनु विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है।

कर्क स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है।

सिंह चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

कन्या किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मीन मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

साजिद खान ने अपने निधन की अफवाहों का किया खंडन बोले- मैं अभी जिंदा हूं

सोचो अगर कोई आपके घर सुबह-सुबह फोन करके आपके निधन से जुड़ी पड़ताल करने लगे तो आपका पहला रिएक्शन क्या होगा? यकीनन आप हैरान होंगे और उससे सबसे पहले यहीं बोलेंगे की मैं अभी जिंदा हूं। ऐसा ही कुछ जाने-माने डायरेक्टर साजिद खान के साथ हुआ है। दरअसल, गुरुवार की सुबह खबर आई कि अभिनेता साजिद खान का निधन हो गया। ऐसे में जैसे ही ये खबर सामने आई वैसे ही कई लोगों ने समझा की फिल्म डायरेक्टर साजिद खान का निधन हो गया और लोगों ने उनके घर फोन करना शुरू कर दिया। इसका खुलासा खुद डायरेक्टर ने वीडियो शेयर करके किया है। डायरेक्टर साजिद खान ने कुछ ही देर पहले अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं और धीरे-धीरे उस चादर से बाहर आने की कोशिश करते हैं और बोलते है कि मदर इंडिया फिल्म जो 1957 में आई थी। उसमें जो छोटा बच्चा सुनील दत्त बना हुआ था, उसका नाम साजिद खान था। वो 1951 में पैदा हुआ था। मैं 20 साल बाद आया। उनकी बेचारे की मौत हो गई है और भगवान उनकी आत्मा को शांति दे, लेकिन मेरे कुछ गैरजिम्मेदार मीडिया वालों ने मेरी फोटो डाल दी। कल रात से लेकर आज सुबह तक मेरे पास RIP के मैसेज आ रहे हैं कि तू जिंदा है ना। इस वीडियो में डायरेक्टर ने बताया है कि मैं जिंदा हूं मुझे अभी आप लोगों का मनोरंजन करना है। बता दें, मदर इंडिया फिल्म के अभिनेता साजिद खान पिछले कुछ वक्त से कैंसर से जंग लड़ रहे थे, लेकिन वो यह लड़ाई 22 दिसंबर को हार गए थे। उन्होंने माया और द सिंगिंग फिलीपिना जैसी अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं से भी प्रसिद्धि हासिल की थी।

फिर बढ़ने लगीं मुनव्वर-आयशा के बीच नजदीकियां, बोले- क्या तुम्हारे घरवाले मुझे कबूल करेंगे

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 में हो रहे हंगामे थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कभी विक्की जैन और अंकिता लोखंडे की झगड़े की खबर आती है तो कभी मुनव्वर फारूकी पर आयशा खान डबल डेटिंग का आरोप लगाती नजर आती है। उधर, बिग बॉस के घर के बाहर मुनव्वर फारूकी की एक्स-गर्लफ्रेंड नाजिला ट्वीट करके उनसे अपने रिश्ते को खत्म करने की बात कहती हैं। इन सब के बीच शो में आयशा और मुनव्वर के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। दोनों की बातचीत से अब ऐसा लग रहा है कि अब फिर से उनके बीच में चीजें सुधरने लगी हैं। बिग बॉस के घर की खबर देने वाले एक ट्विटर हैंडल बिग बॉस तक ने ट्वीट करके एक खबर साझा किया है। उस ट्वीट के बाद मुनव्वर फारूकी और आयशा खान को चाहने वाले लोग खुश हैं और आश्चर्यचकित भी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मुनव्वर फारूकी घर के गार्डन वाले हिस्से में आयशा खान से पूछते हैं, क्या तुम्हारे घरवाले मुझे कबूल करेंगे। अगर हम आपस के मसले को सुलझा लें तब तुम्हारे परिवारवालों को कोई परेशानी तो नहीं होगी। इस पर आयशा कहती हैं, क्या तुम सच में सब ठीक करना चाहते हो। मुनव्वर जवाब में कहते हैं कि वे उनके साथ सब कुछ ठीक कर लेना चाहते हैं। बिग बॉस 17 में आने से पहले मुनव्वर ने अपनी गर्लफ्रेंड नाजिला से ब्रेकअप कर लिया था लेकिन शो में वे कई बार उन्हें याद करते नजर आते थे। इसी वजह से आयशा खान घर में आई थीं कि मुनव्वर से सच्चाई बाहर निकलवा सके, दुनिया को उनका असली चेहरा दिखा सके लेकिन अब तो मामला किसी और दिशा में मुड़ता दिखाई दे रहा है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दर्शकों को आने वाले दिनों में बिग बॉस के घर में काफी कुछ देखने को मिलने वाला है।

शहनाज और रंधावा की केमिस्ट्री के कायल हुए फैंस, बोले- शादी कर लो

बॉलीवुड | मसाला

बिगबॉस 13 में नजर आने के बाद शहनाज गिल कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा। हर दिन वो किसी न किसी बात को लेकर सुर्खियों में बनीं ही रहती हैं। बिग बॉस के घर में सिद्धार्थ शुक्ला से उनकी दोस्ती, सिद्धार्थ की मौत के बाद खुद ट्रांसफॉर्म करना, अपनी हर जीत को अपने दोस्त सिद्धार्थ के नाम करना, शहनाज की इन्हीं अदाओं ने उन्हें हर दिल अजीज स्टार बना दिया है। इधर, काफी समय से शहनाज गिल और गुरु रंधावा की दोस्ती की खबरें खूब आ रही हैं। दोनों सितारों को साथ में काफी समय बिताते भी देखा जाता है। पिछले दिनों शहनाज ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो साझा किया है, जिसमें गुरु रंधावा और शहनाज मस्ती वाले मूड में दिख रहे हैं। शहनाज गिल और गुरु रंधावा का यह वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों एक पंजाबी गाने पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं। शहनाज अपने पुराने मस्ती वाले अंदाज में भांगड़ा का स्टेप्स कर रही हैं और गुरु उनके स्टेप्स को फॉलो करते नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच की केमिस्ट्री लाजवाब है। गुरु के साथ शहनाज काफी खुश भी दिखाई दे रहीं हैं। वहीं, वीडियो के अगले हिस्से में शहनाज कुछ समझ पातीं इसके पहले ही गुरु उन्हें गोद में उठा कर वहां से निकल जाते हैं। लोगों को गुरु का ये अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो के कमेंट वाले सेक्शन में शहनाज के फैन प्यारे-प्यारे कमेंट्स लिख रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, किस-किस को शहनाज और गुरु की जोड़ी पसंद है। वहीं, एक ने लिखा है, भाई इन दोनों को समझा दो, ये एक-दूसरे के साथ बेहद प्यारे लगते हैं। कह दो इनसे शादी कर लें। एक और यूजर ने लिखा है, दोनों साथ में कितने क्यूट दिख रहे हैं, नजर न लगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज पंजाबी गानों के अलावा पिछले दिनों थैंक यू फॉर कमिंग फिल्म में भी दिखाई दी थीं।

अजब-गजब | ये हैं प्यार का इम्तिहान लेने वाली सीढ़ियां

नहीं चढ़ पाता है कोई कपल, जरा सी चूक होने पर खेल खत्म!

प्यार करने वालों को कई तरह की परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। प्यार करना आसान होता है लेकिन इसे निभाना काफी मुश्किल। कपल एक बीच ऐसी कई स्थितियां आती है जो उनके प्यार को टेस्ट करती हैं। अगर उनका प्यार मजबूत होता है तो वो इन परिस्थियों को पार कर लेते हैं। कई बार तो कपल खुद ही अपने प्यार का इम्तिहान लेने की कोशिश करते हैं। ऐसे ही कपल्स के लिए चीन ने एक अद्भुत निर्माण किया है। चीन में बनाया गया है लैडर ऑफ लव। यानी प्यार की सीढ़ियां। अब आप सोच रहे होंगे कि ये कैसी सीढ़ियां हैं जो प्यार का इम्तिहान लेती हैं? दरअसल, ये सीढ़ियां काफी ऊंचाई पर बनाई गई है। इसे इस तरह से बनाया गया है कि अगर कपल एक-दूसरे पर आंख मूंद कर विश्वास करता है, तब ही इसकी चढ़ाई कर सकता है। वरना इसपर चढ़ना मौत को न्योता देने जैसा है। लैडर ऑफ़ लव पर चढ़ना आसान काम नहीं है। इसे चीन के हेनान प्रांत के फुक्सी माउंटेन पर बनाया गया है। 1314 मीटर ऊंची इन सीढ़ियों पर चढ़ना आसान काम नहीं है। ये हवा में बनाई गई है।

सबसे बड़ी बात कि इन सीढ़ियों के दोनों तरफ रेलिंग भी नहीं बनाई गई है। यानी अगर इन सीढ़ियों से कोई गिरा तो वो सीधे गहरी खाई में जा गिरेगा। इन सीढ़ियों का नाम लैडर ऑफ़ लव रखने का ख़ास कारण है। दरअसल, इन सीढ़ियों पर चढ़ना इस बात को प्रमाणित करता है कि आप अपने पार्टनर पर आंख बंद कर विश्वास कर सकते हैं। अगर आपने विश्वास है तभी आप इसकी चढ़ाई कर सकते हैं। वरना इन सीढ़ियों पर साथी के साथ चढ़ना नामुमकिन है। जैसे ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, ये वायरल हो गया। कई लोगों को तो मात्र वीडियो देखने के बाद ही चक्कर आने लगा। ऐसे में जरा इसपर चढ़ने वालों की स्थिति का अंदाजा लगा लीजिये।

असल में ऐसे दिखते हैं समुद्री लुटेरे, बीच समुद्र यूं करते हैं अटैक

आपने समुद्री लुटेरों की कई कहानियां सुनी होगी। हॉलीवुड में पाइरेट्स ऑफ़ कैरिबियाई सी नाम की मूवी ही बना दी गई। इसमें दिखाया गया था कि किस तरफ समुद्र में लुटेरे जहाज़ों को लूट लेते हैं। इसके अलावा कई बार ऐसी खबरें आती हैं, जिसमें बड़े कार्गो को लूट लिया जाता है। ये लूट इन्हीं समुद्री लुटेरों का काम होता है। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर इन समुद्री लुटेरों का एक रियल वीडियो शेयर किया गया। फिल्मों में दिखाए गए समुद्री लुटेरे रियल लाइफ के लुटेरों से काफी अलग होते हैं। रील लाइफ के समुद्री लुटेरों के बारे में सोचते ही एक ऐसे शख्स की इमेज दिमाग में आ जाती है, जिसके आंख पर पट्टी बंधी होती है। लेकिन रियल लाइफ में ऐसा नहीं होता। रियल लाइफ के लुटेरे इनसे काफी अलग दिखते हैं। इससे किस तरह जहाज अपना बचाव करते हैं, वायरल हो रहे इस वीडियो में लुटेरों को बड़े से जहाज का पीछा करते देखा लुटेरे मोटर बोट से पीछा करते नजर आए। ये लुटेरे बड़ी तेजी से और हर ओर से जहाज पर अटैक करते हैं। वीडियो में ये लुटेरे पत्थर से जहाज पर अटैक करते लुटेरे जहाज के इंजन पर भी हमला करते हैं ताकि जहाज आगे ना बढ़ पाए। समुद्र के इन लुटेरों से बचते जहाज को देख लोग हैरान रह गए। ये जहाज अपनी सेफ्टी के लिए गन नहीं चलाते। जहाज में बड़े बड़े पाइप्स रखे जाते हैं। इनसे तेज धार पानी इन लुटेरों पर फेंके जाते हैं। इसके अलावा जहाज में नुकीले फेन्स लगाए जाते हैं। इन फेन्स की वजह से लुटेरे जहाज के ऊपर नहीं चढ़ पाते। जब ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, तो लोग हैरान तरह गए। ज्यादातर ने हैरानी जताई कि आखिर इन लुटेरों को बंदूक से क्यों नहीं शूट किया जाता?

बीजेपी में सिर्फ चलती है गुलामी : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। कांग्रेस आज अपना 139वां स्थापना दिवस मना रही है। नागपुर में कांग्रेस की विशाल रैली आयोजित की गई है। पार्टी सांसद राहुल गांधी ने कहा कि देश में चुनावी संघर्ष के अलावा विचारधारा की लड़ाई हो रही है। उन्होंने कहा, लोगों को लगता है कि यह सत्ता की लड़ाई है, लेकिन इस लड़ाई की नींव विचारधारा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि इसलिए की जाती है क्योंकि वे एक विशेष संगठन से जुड़े होते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया, बीजेपी के एक सांसद, जो पहले कांग्रेस में थे, उन्होंने मुझसे कहा कि बीजेपी में गुलामी चलती है। राहुल ने पूर्व कांग्रेसी नेता के हवाले से कहा, भाजपा में जो ऊपर से कहा जाता है, वो बिना सोचे समझे करना पड़ता है।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत निर्माण की दिशा में काम किया है और यह पार्टी संसदीय लोकतंत्र और समानता पर आधारित है। कांग्रेस

» बोले- हमारी लड़ाई भाजपा से विचारधारा की है

गुरुवार को अपने स्थापना दिवस के मौके पर नागपुर में एक विशाल रैली करने जा रही है और इसे औपचारिक रूप से पार्टी की लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत माना जा रहा है।

जनता का कल्याण ही हमारा उद्देश्य : खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्देश्य जनता का कल्याण और देश के लोगों की प्रगति है। कांग्रेस, संसदीय लोकतंत्र पर आधारित भारत में विश्वास रखती है, जहां बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए समान अवसर मौजूद हों। पार्टी ऐसा देश बनाना चाहती है, जहां संविधान में मौजूद राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का पालन किया जाए। खरगे ने पोस्ट में लिखा कि हमें इस बात पर गर्व है कि बीते 138 सालों में हमने पूरी ईमानदारी से ऐसा भारत बनाने के लिए संघर्ष किया है। कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं। पार्टी के स्थापना दिवस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी मुख्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

मुझे गर्व है कि मैं कांग्रेस का हिस्सा हूं

कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें गर्व है कि वह कांग्रेस जैसे संगठन का हिस्सा हैं, जिसका आधार सच्चाई और अहिंसा है और प्रेम, सम्मान और समानता इसके स्तंभ हैं। वहीं देशभक्ति इसकी छत है। बता दें कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार का आज आगाज कर रही है। इसके लिए महाराष्ट्र के नागपुर में हैं तैयार हम रैली का आयोजन किया जा रहा है।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए : सिद्धारमैया

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। सिद्धारमैया ने बेंगलुरू में कहा,कि आज देश जिन मुद्दों का सामना कर रहा है, उन्हें केवल कांग्रेस ही हल कर सकती है और इसके लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले इंडिया अलायंस भीतर कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन का पीएम चेहरा बनाने की वकालत की थी। कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा,कि देश में किसी ने भी भारत जोड़ो यात्रा जैसा नहीं किया है। अब वह (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा वर्जन ला रहे हैं- न्याय यात्रा, ऐसा इसलिए क्योंकि देश में सबको न्याय नहीं मिला है। देश में हर किसी को- पिछड़े वर्ग, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को न्याय मिले, इसलिए यह यात्रा राहुल गांधी की ओर से की जा रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से यह पूछते हुए कि क्या राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी जैसा कोई सत्ता में आएगा, सिद्धारमैया ने कहा, देश की खातिर, संविधान की रक्षा के लिए, देश की बहुसंस्कृतिवाद और संप्रभुता को बचाने के लिए और सभी को न्याय दिलाने के लिए अपने सभी मतभेदों को भुलाकर हमें एक साथ लड़ना होगा और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना होगा।

प्रशांत कुमार बने डीजी 73 आईपीएस प्रोन्नत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्य सरकार ने वर्ष 1990 बैच के आईपीएस एवं विशेष पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार को पुलिस महानिदेशक (डीजी) के पद पर प्रोन्नत करने का आदेश जारी कर दिया है। उनके साथ 72 अन्य आईपीएस अधिकारियों को भी प्रोन्नत किया गया है। एक जनवरी को प्रोन्नत होने वाले इन अधिकारियों की तैनाती का आदेश अलग से जारी होगा। तीन दिन पहले आईपीएस अधिकारियों की विभागीय प्रोन्नत समिति की बैठक में इस पर मुहर लगायी गयी थी।

राज्यपाल की अनुमति के बाद प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने पदोन्नति का आदेश जारी कर दिया है। आदेश के मुताबिक गृह सचिव वर्ष 1999 बैच के डॉ. संजीव कुमार गुप्ता और प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा को आईजी से एडीजी के पद पर प्रोन्नत किया गया है। वहीं वर्ष 2006 बैच के पांच आईपीएस आकाश कुलहरि, धर्मेंद्र सिंह, एलआर कुमार, अब्दुल हमीद और शलभ माथुर को डीआईजी से आईजी बनाया गया है। इसके अलावा 34 आईपीएस को एसपी से डीआईजी के पद पर प्रोन्नत किया गया है।

सुनहरी बाग मस्जिद को हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति

सांसद दानिश अली ने लिखा विरासत संरक्षण समिति को पत्र, एनडीएमसी ने दिया है प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमरोहा से लोकसभा सदस्य दानिश अली ने राष्ट्रीय राजधानी में सुनहरी बाग मस्जिद को हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मस्जिद का ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मस्जिद को हटाने के प्रस्ताव पर आम लोगों से राय मांगी है। एनडीएमसी ने रविवार को एक नोटिस जारी कर एक जनवरी तक इस मामले में लोगों से

आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए हैं। मध्य दिल्ली में एक चौराहे पर स्थित मस्जिद को आसपास यातायात बाधित होने के आधार पर हटाने का प्रस्ताव दिया गया है।

अली ने विरासत संरक्षण समिति को लिखे एक पत्र में कहा कि मस्जिद के ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व को देखते हुए ऐसा सख्त कदम अनुचित है। उन्होंने कहा कि मस्जिद को हटाने के प्रस्ताव पर सवाल उठ सकता है और इससे जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। अली ने कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड ने पहले एक संयुक्त सर्वेक्षण के दौरान मस्जिद के संभावित विध्वंस को लेकर चिंता जताते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उनके अनुसार अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि विध्वंस की आशंका का कोई आधार नहीं है और दिल्ली वक्फ बोर्ड से संबंधित अदालती कार्यवाही 18 दिसंबर को बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय में अवकाश होने के तुरंत बाद नोटिस जारी करने से प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है।

निलंबित कुश्ती संघ सरकार के फैसले को देगा चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि खेल मंत्रालय ने कुश्ती की राष्ट्रीय संस्था को निलंबित करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और वे सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे।

भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने गुरुवार को कहा कि खेल मंत्रालय ने कुश्ती की राष्ट्रीय संस्था को निलंबित करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और वे सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगे।

नीलम की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

» संसद सुरक्षा सेंध मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में गिरफ्तार नीलम आजाद की याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। नीलम ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उसकी पुलिस हिरासत अवैध है और उसे उसकी पसंद के वकील

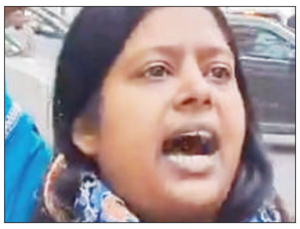

से विचार-विमर्श करने की अनुमति नहीं दी जा रही है जो अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान उसका पक्ष रख सके।

आरोपी के वकील ने न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्ण एवं न्यायमूर्ति शैलिन्दर कौर की अवकाश पीठ के समक्ष मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा कि मामले में जल्दबाजी की जरूरत नहीं है। पीठ ने कहा, ''इसे तीन जनवरी को लिया जाएगा। कोई ऐसी आवश्यकता नहीं है।'' आज़ाद के वकील ने कहा कि उनकी मुवक्किल ने हिरासत के आदेश को चुनौती दी है और उसकी पुलिस हिरासत की अवधि पांच जनवरी को समाप्त हो रही है।

टीम इंडिया की एक पारी और 32 रन से करारी हार

दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे नहीं चले भारतीय बल्लेबाज, तीन दिन में समाप्त हो गया पहला टेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सेंचूरियन। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई भारत को पहले टेस्ट मैच में 32 रन और पारी से हार का सामना करना पड़ा। प्रोटीज टीम की घातक गेंदबाजी के आगे भारतीय बल्लेबाजी फेल रही। इसी के साथ यह टेस्ट मैच तीन दिन में ही समाप्त हो गया। रबाडा और बर्गर की घातक गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाज ज्यादा देर तक टिक नहीं सके।

दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर (185) के बड़े शतक और मार्को यानसन (नाबाद 84) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी तथा दोनों के बीच छठे विकेट की 111 रन की साझेदारी से पहली पारी में 408 रन बनाए। भारत ने पहली पारी में 245 रन बनाए थे जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 163 रन की बढ़त हासिल की। पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों की गति और उछाल के सामने बेबस नजर आए।

पहली पारी में 38 रन पर आउट होने वाले विराट कोहली दूसरी पारी में बढ़िया लय में दिखे। रोहित शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के जल्दी विकेट गिरने के बाद विराट कोहली ने संभलकर खेलते हुए अपने अनुभव का उपयोग किया।

कोहली ने 76 रन की पारी खेली। वहीं गिल ने 26 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। रोहित, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल के जल्दी विकेट गिरने के बाद विराट कोहली ने संभलकर खेलते हुए अपने अनुभव का उपयोग किया। कोहली ने 76 रन की पारी खेली। वहीं, गिल ने 26 रन बनाए। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। कोहली अपना शतक बनाने से चूक गए। इसके बावजूद दूसरी पारी के दौरान कोहली ने भारत के लिए सभी प्रारूपों में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा 1724 रनों के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। वह पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

विराट कोहली ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 2023 में अपना रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा है। सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान सचिन तेंदुलकर के एक और रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सुपरस्पोर्ट पार्क में पहले टेस्ट के तीसरे दिन कोहली दक्षिण अफ्रीका में भारत के लिए सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। पहली पारी में 38 रन पर आउट होने वाले विराट कोहली दूसरी पारी में बढ़िया लय में दिखे।

अच्छे दिनों का वादा हवा में गया फिर पुराने मुद्दे उभरेंगे: थरूर

» मंदिरों के उद्घाटन पर पीएम को कांग्रेस ने घेरा

» सांसद बोले- 2024 में नरेंद्र मोदी को हिंदू हृदय सम्राट के रूप में उतारेगी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में राम मंदिर का उद्घाटन जनवरी में करने के बाद प्रधानमंत्री फरवरी में अबूधाबी में एक और मंदिर का उद्घाटन करेंगे। इन उद्घाटन सिलसिलाओं को देखते हुए पीएम विपक्ष के निशाने पर भी आ गए हैं। कांग्रेस नेता शशी थरूर ने सवाल किया कि 2024 के लिए संदेश स्पष्ट है कि नरेंद्र मोदी एक हिंदू हृदय सम्राट हैं, अच्छे दिनों का क्या हुआ।

उन्होंने कहा कि 2019 में, विनाशकारी नोटबंदी के मद्देनजर उस कथा के ढहने के साथ, पुलवामा आतंकवादी हमले ने श्री मोदी को आम चुनाव को राष्ट्रीय सुरक्षा चुनाव में बदलने का मौका दिया।

2024 में, यह स्पष्ट है कि भाजपा अब अपने मूल संदेश पर वापस लौटेगी और नरेंद्र मोदी को हिंदू हृदय सम्राट के रूप में देश के सामने पेश करेगी। गौरतलब हो कि

22 जनवरी को राम मंदिर का उद्घाटन पहले से ही एक राजनीतिक विवाद बन गया है और विपक्ष इस बात पर बंटा हुआ है कि इस कार्यक्रम में शामिल होना है या नहीं।

उधर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले साल 14 फरवरी को अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन के लिए निदेशक मंडल के साथ स्वामी ईश्वरचरणदास और स्वामी ब्रह्मविहरिदास द्वारा दिए

मंदिर राजनीतिक रंगमंच नहीं: शशि

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि वह एक दिन राम मंदिर का दौरा करना पसंद करेंगे, लेकिन भव्य राजनीतिक उत्सव के दिन नहीं। 2024 के चुनावों से पहले वह दिन भी नहीं आएगा। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि राम मंदिर की उनकी यात्रा की राजनीतिक व्याख्या नहीं की जानी चाहिए। एक दिन पहले ही शशि थरूर ने उनसे कहा था कि धर्म एक व्यक्तिगत विशेषता है, सरकार का काम नहीं। एक हिंदू के रूप में अपने बारे में बात करते हुए मैं एक मंदिर को राजनीतिक रंगमंच के मंच के बजाय ईश्वर से जुड़ने के स्थान के रूप में देखता हूं। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को राम मंदिर के निमंत्रण ने पार्टी को असमंजस में डाल दिया है क्योंकि केरल में उसके यूडीएफ सहयोगी और कई मुस्लिम निकाय इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने के पक्ष में नहीं हैं।

गए निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था ने इस बात की जानकारी दी है। पीएम मोदी और बीएपीएस स्वामी ईश्वरचरणदास ने बुधवार को प्रधानमंत्री के आवासीय कार्यालय में मुलाकात की और पीएम मोदी ने ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंदिर के लिए अपना उत्साहपूर्ण समर्थन व्यक्त करते हुए निमंत्रण स्वीकार कर लिया।

चारों तरफ से घिरने के बाद असम के सीएम हिमंता ने मांगी माफी

भगवद गीता श्लोक के गलत अनुवाद पर फंसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चारों ओर से आलोचनाओं के शिकार होने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को आखिरकार माफी मांगनी ही पड़ी। दरअसल, सीएम ने भगवद गीता के एक श्लोक के गलत अनुवाद के लिए माफी मांगी है। गीता के इस श्लोक के गलत अनुवाद को लेकर विवाद पैदा हो गया था, जिससे बाद असम के सीएम ने माफी मांगी है।

गीता के श्लोक से जुड़ी एक्स पर हिमंता बिस्वा सरमा की पोस्ट ने उन्हें विपक्ष के निशाने पर ला दिया था। कई नेताओं ने उन पर जाति विभाजन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि यह श्लोक उनकी टीम द्वारा फालोअर्स के साथ प्रतिदिन एक गीता श्लोक साझा करने के ट्रेडिशन को बनाए रखने के लिए उनके एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया गया था। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, नियमित तौर पर मैं हर सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भगवद गीता का एक श्लोक अपलोड करता हूं, अब तक, मैंने 668 श्लोक पोस्ट किए हैं, हाल ही में मेरी टीम के एक सदस्य ने अध्याय 18 श्लोक 44 से एक श्लोक गलत अनुवाद के साथ पोस्ट किया है। भाजपा नेता ने कहा कि गलती का एहसास होते ही उन्होंने ट्वीट हटा दिया। असम के सीएम ने कहा, जैसे ही मुझे गलती का एहसास हुआ, मैंने तुरंत पोस्ट हटा दिया। अगर हटाए गए पोस्ट से किसी को ठेस पहुंची है, तो मैं ईमानदारी से माफी मांगता हूं।

फोटो: 4पीएम

दीक्षांत समारोह लखनऊ गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के प्रथम दीक्षांत समारोह में पहुंची राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डिग्री धारकों और मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

कोहरे ने बढ़ाई गलन, घरों में दुबके लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जाते-जाते दिसंबर में ठंड ने लोगों को घरों के अंदर दुबकने को मजबूर कर दिया। पिछले तीन-चार दिनों से लोगों को गलन भरी ठंड का अहसास हुआ है। ठंड की बढ़ते प्रकोप को देखते हुए कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों को बृहस्पतिवार को भी घने कोहरे की मार झेलनी पड़ी है। शुक्रवार की सुबह भी गलन जारी रही।

» कई जिलों में बच्चों के स्कूल बंद

कम दृश्यता के चलते जगह-जगह हुए हादसों में 10 लोगों की जान चली गई है, जबकि 24 से ज्यादा घायल हैं। कोहरे के चलते यातायात व्यवस्था इस कदर चरमराई कि लखनऊ से आने-जाने वाली 17 फ्लाइटें निरस्त करनी पड़ी। कई डायवर्ट भी की गईं। ट्रेनों की चाल ऐसी बिगड़ी कि शताब्दी व तेजस जैसी वीआईपी ट्रेनों का संचालन रद्द करना पड़ा। लखनऊ से गुजरने वाली 40 से ज्यादा ट्रेनें एक से आठ घंटे तक की देरी से चलीं। सबसे ज्यादा मार दिल्ली, पंजाब व जम्मू रूट की ट्रेनों पर पड़ी है। लखनऊ समेत आसपास के कई इलाकों में तो दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। लखनऊ, हरदोई, नजीबाबाद व हमीरपुर में पहली बार कोल्ड डे रहा।

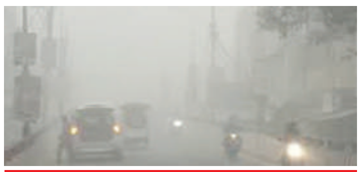

हादसों में गई कई जानें

हादसों में गोंडा, सुल्तानपुर, प्रयागराज में दो-दो, रायबरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद और सोनभद्र में एक-एक की मौत हो गई। आगरा में खेत में काम कर रहे किसान ने ठंड से दम तोड़ दिया।

29 जिलों में कोल्ड डे का अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए प्रदेश के 29 जिलों व आसपास के इलाकों में कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। इससे बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा और झांसी में दिन में लोगों को भारी गलन महसूस होगी। कल से मौसम में कुछ सुधार हो सकता है।

आचार संहिता से पहले आएगी भाजपा की पहली सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 की आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची आ सकती है। प्रदेश भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व का इशारा मिलने के बाद जमीनी स्तर पर चुनावी तैयारियां शुरू कर दी है।

बीते दिनों दिल्ली में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेताओं को संकेत मिला है कि आचार संहिता लागू होने से पहले प्रत्याशियों की सूची घोषित की जाएगी। इसमें यूपी के प्रमुख जिलों में दिग्गज चेहरों के नाम भी घोषित किए जाएंगे। वहीं पिछड़े और दलित समीकरण साधने के लिए दोनों वर्गों के बड़े चेहरों के टिकट का भी एलान होगा।

आदित्य एल-1, 6 जनवरी को लैग्रेंज पॉइंट-1 (एल1) पर पहुंचेगा: सोमनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सौर मिशन को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है, इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने बताया कि सौर मिशन आदित्य एल- 1 6 जनवरी को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज पॉइंट 1 (एल1) पर पहुंचेगा। यहां से स्पेस शिप बिना किसी बाधा के सूर्य का अध्ययन करेगी। यह मिशन इसी साल सितंबर में शुरू किया गया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बंबई के एनुअल साइंस और टेक्नॉलजी प्रोग्राम 'टेकफेस्ट 2023' में बतौर गेस्ट पहुंचे इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा, आदित्य एल1 अब करीब-करीब वहां पहुंच चुका है। आदित्य एल1 6 जनवरी को शाम 4 बजे लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंच जाएगा। हम आदित्य एल-1 के इंजन को बहुत नियंत्रित तरीके से ऑपरेट करेंगे, ताकि वह हेलो ऑर्बिट नामक कक्षा में प्रवेश कर सके।

'लैग्रेंज पॉइंट' वह क्षेत्र है जहां गुरुत्वाकर्षण हो जाता है निष्क्रिय

बता दें कि 'लैग्रेंज पॉइंट' वह क्षेत्र है जहां पृथ्वी और सूर्य के बीच गुरुत्वाकर्षण निष्क्रिय हो जाएगा। सोमनाथ ने कहा कि गुरुत्वाकर्षण पूरी तरह बेअसर होना संभव नहीं है, क्योंकि चंद्रमा, मंगल, शुक्र जैसे अन्य पिंड भी हैं। उन्होंने कहा कि सभी छह पेलोड का परीक्षण किया जा चुका है और वे अच्छे से काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि सभी से बहुत अच्छी जानकारी मिल रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।